पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

अस्पताल से डिस्चार्ज हुईं जान्हवी कपूर

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 119 ■ मंगलवार, 23 जुलाई 2024 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ का चिखलोली डैम हुआ ओवरफ्लो

■ शहर पूर्व के 50 हजार लोगों इस डैम से होती है जलापूर्ति

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व के लगभग 50 हजार लोगों को जलापूर्ति करने वाला चिखलोली डैम लबालब भरकर ओवरफ्लो हो गया है.

विदित हो कि डैम के पानी एवं शहरवासियों को जलापूर्ति करने का नियोजन महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा किया जाता है. चिखलोली डैम के ओवरफ्लो होने के बाद भी मजीप्रा के सही नियोजन नहीं होने से शहर पूर्व के कई परिसर में लोग अभी भी बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं. जून महिने में बारिश कम होने के बाद जुलाई में जोरदार बारिश होने के कारण 21 जुलाई को डैम लबालब हो गया है, जबकि जून महिने में डैम का पानी जमीन तक लग गया है. जिसके कारण जलसंकट शुरू हो गया था. शहर में 11 जुलाई से हो रही लगातार बारिश के कारण 10 दिनों में ये डैम ओवरफ्लो हो गया है. शहर पूर्व के निवासियों के पीने के पानी की समस्या दूर हो गई है. इस डैम से शिवाजी नगर, महालक्ष्मी नगर व अन्य परिसर के लोगों को जलापूर्ति की जाती है.

इसके अलावा बदलापुर के बॅरेज डैम एमआईडीसी में से 28 एमएलडी में से 4 एमएलडी पानी की यहां पर जलापूर्ति की जाती है. चिखलोली डैम की ऊंचाई 23.40 मीटर है. पानी की क्षमता 2.26 दशलक्ष घन मीटर है. अब शहरवासियों को इंतजार है बारवी डैम के छलकने का, जो कि 50 फीसदी भरा है.

गड्ढों की नगरी बना उल्हासनगर

■ शहर में गड्ढों से हो रही दुर्घटनाएं
■ उल्हासनगर मनपा की लापरवाही
■ रोजाना वाहन चालक दुर्घटना के शिकार
■ शहर में जगह-जगह जलजमाव
■ मानसून से पूर्व की तैयारी करने में मनपा फेल

उल्हासनगर-1 के शहाड ब्रिज, स्टेशन पर सड़कों की हालत जानलेवा हो गई है इसी सड़क पर डॉल्फिन रोड खराब हालत में है साथ ही गोल मैदान, नेहरू चौक, शिवाजी चौक, सेक्शन 17 हिराघाट, विट्ठलवाड़ी स्टेशन, उल्हास स्टेशन क्षेत्र व कैम्प 4 जाने वाली ब्रिज की हालत भी खस्ता है। नेताजी चौक से कुर्ला कैम्प रोड भी गड्ढों से सना हुआ है। इसी तरह शहर के हर गली कूचे में छोटे बड़े गड्ढे देखने को मिलेंगे।

उल्हासनगर। उल्हासनगर शहर में अब रास्तों से अधिक गड्ढे हो गए हैं. ऐसे में उल्हासनगर शहर को गड्ढों की नगरी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। उल्हासनगर के नागरिक यहां तक कह रहे हैं कि पहले यह संतों की नगरी हुआ करती थी लेकिन अब यह गड्ढों की नगरी से प्रसिद्ध हो गई है। शहर में गड्ढों की संख्या इस कदर बढ़ चुकी है कि अब रास्तों के गड्ढे खतरनाक हो गए हैं और इसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। मनपा द्वारा बारिश से पूर्व व बाद में गड्ढों को भरने का करोड़ों का ठेका जिसे दिया जाता है वो तो मौज में है क्योंकि उसने बरसात से पूर्व शहर के गड्ढे नहीं भरे और अब बारिश में केवल दिखावे की मिट्टी डाल रहे हैं जिससे दुर्घटनाओं में दोगुना वृद्धि हो गई है।

उल्हासनगर में छत्रपति शाहू महाराज उड़ान पर बने पुल पर इस समय बड़े-बड़े गड्ढों के कारण भीषण जाम लगा हुआ है। कल्याण बदलापुर मार्ग पर शांतिनगर से 17 सेक्शन, शिवाजी महाराज चौक, फालोवर लाइन तक के क्षेत्र में यातायात की भारी समस्या उत्पन्न हो गई है। इस बीच फालोवर लाइन से नेहरू चौक तक सड़क पर हर साल की तरह इस साल भी वैसे ही गड्ढे पड़ रहे हैं, जिससे वाहन चालकों को गाड़ी चलाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है.

■ नाला सफाई भी नहीं हुई

उल्हासनगर शहर में लगातार हो रही बारिश से उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली की पोल खुल गई है. एक ओर जहां शहर के नालों की सफाई नहीं होने से शहर जलजमाव की स्थिति में है। आश्चर्य की बात यह है कि नाला सफाई व सड़कों के मरम्मत का ठेका एक ही ठेकेदार को है। नाला परिसर के घरों में बारिश का पानी घुस रहा है। स्टेशन परिसर के मद्रासी पाड़ा में कुछ ही घंटों की बारिश में घरों में पानी घुस रहा है। मनपा ने बारिश से निपटने के लिए कोई तैयारी नहीं की है। ना ही गड्ढों के लिए ना ही नाला सफाई के लिए जिस कारण आज शहर की सड़कों पर गड्ढों की संख्या भी बढ़ गयी है. इसलिए आम नागरिकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है. इन गड्ढे के कारण पिछले दो महीने में कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं. गड्ढों के कारण नागरिकों के वाहन भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। तो आखिर इन गड्ढों के लिए जिम्मेदार कौन है? ठेकेदार, सरकार या महानगरपालिका प्रशासन? साथ ही शहरवासियों का सवाल है कि मनपा इन गड्ढों को कब भरेगी.

भिवंडी में सड़क के गड्ढों से नागरिक परेशान

मनपा के खिलाफ उद्धव सेना का विरोध प्रदर्शन

भिवंडी. शहर में लगातार हो रही बारिश से सड़कें बह गई हैं। भिवंडी मनपा के अंतर्गत आने वाली सड़कों की खराब हालत के कारण नागरिकों और यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है. सड़कों पर बने इन गड्ढों के लिए पूरी तरह से मनपा प्रशासन को जिम्मेदार बताते हुए उद्धव सेना कल्याण नाका से लेकर धामनकर तक सड़क पर उतर आई है. शहर में धरना देकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया. युवा सेना शहर प्रमुख मोहन पठारे ने आंदोलन का नेतृत्व किया और बड़ी संख्या में सेना कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे। मोहन पठारे ने प्रतिक्रिया दी है कि अगर जल्द से जल्द शहर की सड़कों पर गड्ढे नहीं भरे गए, तो अगले कुछ दिनों में मनपा प्रशासन के खिलाफ और अधिक तीव्र विरोध प्रदर्शन किया जाएगा.

ठाकुर्ली स्टेशन में सिग्नल फेल, सेंट्रल रेलवे बाधित

कल्याण. सोमवार को लगातार दूसरे दिन भारी बारिश जारी रही। इससे सेंट्रल रेलवे नेटवर्क के कल्याण और ठाकुर्ली स्टेशन के बीच व्यस्त समय के दौरान लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। सुबह कुछ इलाकों में महज एक घंटे में 34 मिलीमीटर तक की बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि सुबह आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में मुंबई में औसतन 135 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस अवधि में पूर्वी मुंबई में 154 मिलीमीटर और पश्चिमी मुंबई में 137 मिलीमीटर बारिश हुई।

श्रावण माह के पहले सोमवार को अंबरनाथ स्थित प्राचीन शिवमंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रही. भारी बारिश के बावजूद भक्तों का उत्साह चरम पर था.

अवैध रूप से शराब की बिक्री करनेवाले होटल रडार पर

■ राज्य उत्पाद शुल्क विभाग ने दी कार्रवाई की चेतावनी

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप नंबर पांच के कई होटल मटन और चिकन के लिए मशहूर हैं। इन होटलों में अवैध रूप से शराब की बिक्री और ग्राहकों को शराब पीने की इजाजत देने की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के निरीक्षक सुभाष घुले ने संबंधित अधिकारियों को इन सभी होटलों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया.

सूत्रों के अनुसार उल्हासनगर कैंप नंबर 5 के नेताजी चौक पर मंगल सिंह का होटल अवैध रूप से शराब बेच रहा है और ग्राहकों को खुलेआम शराब पीने की इजाजत दे रहा है। इसी तरह कैंप नंबर पांच के मच्छी मार्केट में तीन

होटलों में शराब की खुली बिक्री और शराब पीने की सुविधा दी गई है। मानेरे गांव रोड पर एस.एस.टी कॉलेज के बगल में एक बीयर की दुकान है जहाँ खुलेआम शराब बेची और पी जाती है और एक चाइनीज़ दुकान है और यहाँ भी शराबियों की काफी भीड़ रहती है। इसमें नागरिकों ने शिकायत की है कि पाकिस्तानी मामा समेत दो होटलों में इस तरह का सब कुछ चल रहा है. राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के निरीक्षक सुभाष घुले नागरिकों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को सभी होटलों में शराब बेचने या पीने वालों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है.

घुले ने कहा कि अवैध ढाबों के खिलाफ पहले भी कार्रवाई की जा चुकी है और उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर इनमें से किसी भी ढाबे पर ग्राहक शराब बेचते या शराब पीते पाए गए तो सख्त कार्रवाई की जाएगी.

ट्रेनों में चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

■ 4 लाख से ज्यादा का सामान बरामद

कल्याण. लोकल और मेल गाड़ियों में यात्रियों का बैग और मोबाइल चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर जीआरपी की एसटीएफ अपराध शाखा की टीम ने 4 लाख 31 हजार का सामान हस्तगत किया है। पकड़े गए चोर का नाम रंगाराम जपुराम चौधरी बताया जा रहा है, जो मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। जीआरपी अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अरशुद्दीन शेख ने बताया कि रंगाराम चौधरी को 17 जुलाई को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस कस्टडी के दौरान पूछताछ में कल्याण और ठाणे के चार मामलों का खुलासा हुआ है। साथ ही रंगाराम की निशानदेही पर पुलिस ने 3 लेपटॉप, 3 मोबाइल फोन और 2 कैमरा बरामद किया है, जिसकी कीमत 4 लाख 30 हजार 999 रुपए बताई गई है। फिलहाल आरोपी को हिरासत में लेकर इस मामले की जांच जीआरपी एसटीएफ के सहायक पुलिस निरीक्षक कृष्णराव चव्हाण कर रहे हैं।

अंबरनाथ में फारेस्ट की जमीन पर घर बनाकर बेचने वाले 2 पर धोखाधड़ी का मामला

अंबरनाथ. अंबरनाथ में कई ऐसे भूमाफिया हो गए हैं, जो सरकारी, फॉरेस्ट की भूमि पर कब्जा करके उस पर घर बना कर लाखों रुपए में बेच रहे हैं. स्टैम्प पेपर पर नोटरी करके भोलेभाले लोगों को घर बेचकर लाखों कमा रहे हैं. ऐसी ही एक घटना शहर पूर्व में हुई है. फॉरेस्ट की जमीन पर घर बनाकर बेचने पर एक भूमाफिया पर 420 का अपराध दर्ज हुआ है. मानखुर्द मुंबई निवासी खामकर (69) ने शहर पूर्व फणसीपाड़ा निवासी रंजीत जयराम गायकर और कल्पना गायकर के खिलाफ अपराध दर्ज कराया है कि उनके कब्जे की फारेस्ट की जमीन को स्वतः की मालकी का बताकर एवं उनकी मौसी आशा जाधव की मालकी का बता कर पक्की सीमेंट की चाल बनार उन्हें 2 लाख 25 हजार में बेचा. जिसके लिए आरोपियों ने फर्जी कागजात तैयार करके नोटरी करके उनकी और उनके गांव के 15 लोगों से 46 लाख 85 हजार रुपयों की आर्थिक धोखाधड़ी की है. ये घटना सन 2012 से फरवरी 2024 के बीच की है. शालन खामकर की शिकायत पर आरोपी रंजीत गायकर और कल्पना गायकर के खिलाफ दफा 420, 465, 467, 468, 471, 34 के अनुसार शिवाजी नगर पुलिस में दर्ज कराया गया है. मामले की जांच पुलिस उप निरीक्षक आर. पी. भवारी कर रहे हैं.

ठाणे-कसारा, ठाणे-कर्जत शटल सेवा शुरू करें

कल्याण. ठाणे से आगे रेल यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पूर्व विधायक नरेंद्र पवार ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से ठाणे-कसारा और ठाणे-कर्जत रेलवे लाइनों पर शटल सेवा शुरू करने के साथ टिटवाला-खडवली के बीच एक नया गुरवली रेलवे स्टेशन बनाने की मांग की है. इस मौके पर कल्याण-कसारा-कर्जत रेलवे पैसेंजर एसोसिएशन ने रेल मंत्री को एक निवेदन दिया.

कल्याण, डोंबिवली सहित कर्जत-कसारा से ठाणे-मुंबई जाने वाले यात्रियों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। हालाँकि, मध्य रेलवे इस रूट पर लाखों यात्रियों के लिए केवल 1772 लोकल ट्रेनें चला रहा है।

■ रेल मंत्री को नरेंद्र पवार ने सौंपा निवेदन

खबर है कि मुंबई-ठाणे की ओर जाने वाले15 से 16 यात्रियों की रेल दुर्घटना में मौत होने की जानकारी नरेंद्र पवार ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को दी. यात्रियों की मौत की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे यात्री संघ के अध्यक्ष राजेश घनघाव और नरेंद्र पवार ने रेल मंत्री से ठाणे-कसारा और ठाणे-कर्जत मार्ग पर स्थानीय शटल सेवा शुरू करने का आग्रह किया। साथ ही मुंबई डिविजन में टिटवाला और खडवली रेलवे स्टेशन के बीच की दूरी लगभग 10 किमी है, और पिछले छह दशकों से गुरवली नामक एक नए स्टेशन के निर्माण की मांग की जा रही है। हालांकि उन्होंने रेल प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नहीं देने पर अफसोस जताते हुए गुरवली स्टेशन के निर्माण की मांग भी की है. इस अवसर पर रेलवे यात्री संघ के नंदकुमार देशमुख, अनंत ढोणे भी उपस्थित थे।

अंबरनाथ इंटक यूनियन अध्यक्ष पद पर एड. कृष्णा रसाल का चुनाव

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष कृष्णा रसाल पाटिल की राष्ट्रीय सुरक्षा कर्मचारी यूनियन (इंटक) आर्डनेंस कंपनी अंबरनाथ के अध्यक्ष पद पर चुन लिया गया है. बाद में शहर के कृष्णा मैरेज हॉल में आनेवाले नगर पालिका चुनाव के संबंध में वार्ड प्रमुख, सदस्य, नियुक्त करने पर एक सभा का आयोजन किया गया था, जिसमें सचिव रोहित प्रजापति, ट्रेजर गोपाल राय, उपाध्यक्ष नफीस शेख, गनी पीरजादे आदि पदाधिकारियों ने नवनियुक्त अध्यक्ष कृष्णा रसाल पाटिल का शॉल, पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया. शनिवार की शाम में आयुध निर्माणी यूनिट इंटक के कार्यालय में चयन प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें कृष्णा पाटिल को अध्यक्ष चुना गया. इस समय यूनियन के जनरल सेक्रेटरी संतोष शेलके, दिनेश कंटे, नवीन खेमानी, संजय सिंह, सीमा मराठे, जावेद अंसारी, योगेश तांबोली आदि उपस्थित थे. बाद में कृष्णा पाटिल ने कहा कि आर्डनेंस इस्टेट कंपनी मजदूरों की जो भी समस्या है, उसे वह अपने वरिष्ठों एवं पदाधिकारियों के साथ में लेकर उसे हल करने का भरपूर प्रयत्न करेंगे. गोपाल रॉय ने कहा है कि कृष्णा पाटिल अंबरनाथ में कांग्रेस को आगे बढ़ाने में दिन रात कार्य कर रहे हैं. आर्डनेंस कंपनी की समस्याओं पर भी वह भरपूर ध्यान देंगे.

पति व देवर ने महिला के साथ किया दुष्कर्म

■ दोनों भाइयों समेत सास व देवरानी के खिलाफ मामला दर्ज

कल्याण. डोंबिवली ग्रामीण इलाके में रहने वाली एक 32 वर्षीय विवाहित महिला के साथ उसके पति और देवर ने बारी-बारी से यौन उत्पीड़न करने की बात सामने आई है. जब दोनों भाइयों की तकलीफ बढ़ने लगी तो परेशान पीड़िता ने कल्याण के महिला शिकायत निवारण केंद्र में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई. इस शिकायत के बाद मानपाड़ा पुलिस ने सास और देवरानी समेत दोनों भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है.

पुलिस ने बताया, पीड़िता की शादी पिछले साल 37 साल के शख्स से हुई थी. पीड़िता अपने परिवार के साथ कल्याण में रहती थी. वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं। आरोपी परिवार भी उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और यहां डोंबिवली में रहता है. शादी के बाद पीड़िता अपने ससुराल डोंबिवली आ गई। शादी के कुछ दिन बाद पीड़िता का पति पीड़िता के साथ अप्राकृतिक यौन शोषण

करने लगा. पीड़िता उसका विरोध कर रही थी, लेकिन पति उसकी बात नहीं सुन रहा था.

बाद में पति का भाई (देवर) भी पीड़िता से सेक्स की मांग करने लगा. पहले तो उसने इसका विरोध किया. लेकिन बाद में देवर ने भी पीड़िता के साथ जबरदस्ती सेक्स किया. वह उसका यौन उत्पीड़न करने लगा। दोनों भाई उसका यौन उत्पीड़न कर उसे प्रताड़ित कर रहे हैं। पीड़िता को चिंता थी कि वह यह बात बाहर किसी से साझा कैसे करे. पिछले साल जनवरी 2023 से नवंबर 2023 तक चल रहा था. दोनों भाइयों की मां और देवरानी पीड़िता के चरित्र पर संदेह करते थे और उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे।

ससुराल वालों द्वारा लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर पीड़िता ने हिम्मत करके कल्याण के महिला शिकायत निवारण केंद्र में आवेदन दायर किया. पुलिस ने इस आवेदन पर संज्ञान लिया और इस आवेदन को जांच के लिए मानपाड़ा पुलिस के पास भेज दिया. पुलिस ने आवेदन की जांच कर पीड़िता के पति समेत उसके भाई, मां और देवरानी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है.

सरोवर फार्म हाउस की ओर से विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री, रेनकोट, गणवेश का वितरण

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. सरोवर फार्म एंड रिसॉर्ट परिवार की ओर से पार्म हाउस पर येवे गांव परिसर के दो मराठी स्कूलों में 200 विद्यार्थियों में स्कूली साहित्य का वितरण सोमवार को किया गया. विद्यार्थियों में गणवेश, बरसाती रेनकोट एवं स्कूली साहित्य का वितरण सरोवर परिवार के सिद्धप्पा जाधव एवं तौसिफ अंसारी एवं उपस्थित पत्रकारों के हाथों वितरित किए गए. बाद में सभी बच्चों को भोजन भी दिया गया. जाधव ने पत्रकारों को बताया कि हर वर्ष जरूरतमंद विद्यार्थियों में वह

साहित्यों का वितरण करते हैं. तौसिफ ने बताया कि हर वर्ष उनके फार्म हाउस की ओर से पास के दो गांव में घरों में जाकर आदिवासियों को अनाज का वितरण भी किया जाता है. ये फार्म हाउस पिंपोली गांव बारबी डैम रोड पर स्थित है.

मराठी स्कूल के शिक्षक ने सरोवर फार्म परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अपनी कमाई में से कुछ हिस्सा जरूरतमंद विद्यार्थियों में वितरित करके सामाजिक कार्य फार्म हाउस परिवार कर रहा है. स्कूली गणवेश, शैक्षणिक साहित्य एवं रेनकोट मिलने के बाद बच्चों के चेहरों पर खुशी देखी गई. बाद में फार्म हाउस के खेलों के साहित्य पर खेल कर बच्चों ने मजा लूटा. सिद्धप्पा जाधव और तौसिफ अंसारी ने स्कूल के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिन सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

बांग्लादेश में आंदोलन और हिंसा

बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी आंदोलन के हिंसक रुख अख्तियार कर लेने से वहां की सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। वहां के युवा न तो पुलिस-प्रशासन की बात सुनने को तैयार हैं और न प्रधानमंत्री शेख हसीना के अनुरोध और दलील का उन पर कोई असर हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान हिंसा से अब तक सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और सैकड़ों घायल हुए हैं। हालात इस कदर बिगड़ गए हैं कि पूरे देश में कर्फ्यू लगाना पड़ा और उग्र प्रदर्शनकारियों को 'देखते ही गोली मारने' के आदेश दे दिए गए हैं।

ऐसे में वहां रह रहे भारत, नेपाल और भूटान समेत अन्य देशों के लोगों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बांग्लादेश में करीब पंद्रह हजार भारतीयों के होने का अनुमान है। इनमें लगभग साढ़े आठ हजार विद्यार्थी हैं। अब तक एक हजार से अधिक भारतीय विद्यार्थी स्वदेश लौट आए हैं। केंद्र सरकार की ओर से बाकी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के प्रयास जारी हैं। इस बीच, बांग्लादेश-भारत सीमा पर सतर्कता बढ़ाने की मांग भी उठने लगी है।

दरअसल, बांग्लादेश में हिंसक आंदोलन पर उतरे युवा उस व्यवस्था को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं, जिसके तहत वर्ष 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में लड़ने वाले पूर्व सैनिकों के आश्रितों को सरकारी नौकरियों में तीस फीसद तक आरक्षण का प्रावधान है। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि आरक्षण की इस व्यवस्था के जरिए प्रधानमंत्री शेख हसीना के समर्थकों को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

गौरतलब है कि शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी ने मुक्ति संग्राम आंदोलन का नेतृत्व किया था। प्रधानमंत्री शेख हसीना का कहना है कि युद्ध में भाग लेने वालों को सम्मान मिलना चाहिए, भले वे किसी भी राजनीतिक संगठन से जुड़े हों। बांग्लादेश सरकार और प्रदर्शनकारियों की दलीलें अपनी जगह हैं, लेकिन क्या अपनी मांगों को मनवाने की हिंसा ही एकमात्र उपाय है? जहां प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्वक अपनी बात सरकार के समक्ष रखनी चाहिए, वहीं सरकार को चाहिए कि सड़कों पर उतरे युवाओं को किसी तरह भरोसे में ले, ताकि पहले हिंसा थमे।

किसानों की आमदनी बढ़ाने वाला हो बजट

भारत, जो एक समय मुख्य रूप से कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था थी, ने पिछले कुछ दशकों में अपनी आर्थिक संरचना में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखा है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि की हिस्सेदारी 1947 में 60 फीसदी से घटकर पिछले वित्तीय वर्ष में 15 फीसदी हो जाना एक गहन बदलाव का प्रतीक है, जो देश के आर्थिक परिदृश्य की उभरती अस्थिरता को दर्शाता है। कृषि क्षेत्र की प्रगति भारत की नब्ज तय करती है। मंगलवार को 2024-25 का बजट आ रहा है, लेकिन यह स्वीकार करना और महत्वपूर्ण हो जाता है कि कृषि का योगदान देश के आर्थिक और सामाजिक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक तरफ एमएसपी बढ़ोतरी और फसल बीमा योजनाओं, जैसी हालिया पहलों ने आशा की किरणें जगाई हैं, दूसरी तरफ भारतीय कृषि को प्रभावित करने वाली चुनौतियां जैसे-बढ़ती लागत, अस्थिर बाजार कीमतें, कर्ज के नीचे दबता किसान, जलवायु परिवर्तन और सीमित बुनियादी ढांचा नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और नवीन समाधानों की मांग करती हैं। यह बजट नई जमीन तैयार करने और अधिक मजबूत, टिकाऊ और समावेशी कृषि परिदृश्य विकसित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत कर सकता है। किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। बीज, उर्वरक, बिजली और पानी आदि पर भारी सब्सिडी देने के बावजूद कई किसान संकट में हैं। बढ़ती कृषि लागत के बीच भारतीय किसानों को गंभीर ऋण संकट का सामना करना पड़ता है, औसत घरेलू ऋण सात लाख रुपये से अधिक है। कर्ज और आर्थिक संकट के बोझ तले दबे किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2022 में 6,083 कृषि मजदूरों ने खुदकुशी की। देश की औसत प्रति व्यक्ति आय 12,500 है, किसानों की इससे भी कम। बजट में किसानों की आय बढ़ाने वाली नीतियों को बढ़ावा मिले। पीएम किसान सम्मान निधि जैसी प्रत्यक्ष आय सहायता वाली योजनाओं के लिए आवंटन बढ़ाना, समय पर व कुशल संवितरण सुनिश्चित करते हुए बहुत जरूरी वित्तीय स्थिरता प्रदान कर सकता है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए प्रत्येक फसल की घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान किया जाए। ऋण राहत योजनाओं, सब्सिडी ऋण या फसल बीमा कार्यक्रमों के लिए ज्यादा धनराशि का प्रावधान जरूरी है। आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार, भारत के केवल 47 फीसदी शुद्ध बोए गए क्षेत्र में सुनिश्चित सिंचाई तक पहुंच है और अपर्याप्त भंडारण के कारण फसल के बाद के नुकसान का अनुमान 10-25 फीसदी है। बजट में सड़क नेटवर्क और कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं के निर्माण और उन्नयन के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित की जानी चाहिए। ग्रामीण विद्युतीकरण में निवेश और सूचना प्रौद्योगिकी तक बेहतर पहुंच डिजिटल विभाजन को पाट सकती है। ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता और बुनियादी ढांचे का विस्तार महत्वपूर्ण है। बजट में कृषि शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। समर्पित कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना और मौजूदा संस्थानों को आधुनिक, व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम पेश करने के लिए प्रोत्साहित करना मौजूदा कौशल अंतर को पाट सकता है। कृषि उद्यमिता और एग्रीटेक स्टार्टअप को बढ़ावा देना नवाचार को बढ़ावा दे सकता है और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है। उन्नत बीजों, सूखा प्रतिरोधी फसलों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के लिए अनुसंधान में निवेश बढ़ाने से कृषि उत्पादकता और आय को बढ़ावा मिल सकता है। मजबूत निर्यात बुनियादी ढांचे का निर्माण और अनुकूल व्यापार समझौतों पर बातचीत से भारतीय कृषि उपज के लिए नए बाजार खुल सकते हैं, आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सकता है और नौकरियां पैदा हो सकती हैं। कृषि में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करते हुए, उन्हें सशक्त बनाने के लिए बजट में महिला-विशिष्ट कार्यक्रमों और पहलों को बढ़ावा देना चाहिए। कृषि को पुनर्जीवित करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। कृषि बजट में राशि बढ़ाने के साथ ही आवंटित राशि का सफल और पूर्ण क्रियान्वन सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। इस बजट को एक अकेली घटना के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि एक संपन्न, टिकाऊ और समावेशी कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक दृष्टिकोण की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जाना चाहिए।

आत्मा को पूर्ण तृप्ति तभी मिलती है जब वो वापस परमात्मा में लीन हो जाती है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

कार्य और व्यवहार में संतुलन जरूरी

संवैधानिक पदों का निर्वाह करने वाले लोगों को आपराधिक मामलों में सुनवाई, सजा आदि से इसलिए संरक्षण प्रदान किया गया है कि इससे उस पद की गरिमा आहत हो सकती है। ऐसे लोगों से भी यह स्वाभाविक अपेक्षा रहती है कि वे उस पद की गरिमा के अनुरूप आचरण करें। मगर इस तकाजे की कई बार अनदेखी की जाती है। खासकर राज्यपालों के कार्य और व्यवहार को लेकर अनेक मौकों पर अंगुलियां उठी हैं। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पर राजभवन में काम करने वाली एक महिला ने आरोप लगाया कि उन्होंने उसका यौन उत्पीड़न किया और राजभवन के अधिकारियों ने उसे राजभवन में बंधक बनाए रखा।

मामला उच्च न्यायालय तक पहुंच गया। अदालत ने कहा कि राज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत आपराधिक मामलों में संरक्षण प्राप्त है। उन पर तब तक कोई मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, जब तक वे अपने पद पर हैं। तब पीड़िता ने सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई कि अनुच्छेद 361 के खंड दो में राज्यपालों को दी गई छूट में मामले की जांच पर रोक का कोई उल्लेख नहीं है। यौन उत्पीड़न जैसे मामलों में जांच में देरी पीड़िता को न्याय दिलाने में बाधा है। सर्वोच्च न्यायालय इस मामले के मद्देनजर अनुच्छेद 361 की समीक्षा को राजी हो गया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक मामलों में संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या कर मनमानी लाभ लेने वालों पर नकेल कसी है, इसलिए इस मामले में भी लोगों को उम्मीद बनी है कि संवैधानिक संरक्षण की आड़ में राज्यपालों के अपने पद की

गरिमा के प्रतिकूल व्यवहारों पर रोक लगाने का कोई व्यावहारिक रास्ता निकल सकेगा। साथ ही इस सिद्धांत की रक्षा होगी कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच टकराव के अनेक मौके देखे गए और उनमें से कई में सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यपाल के अधिकारों की व्याख्या करते हुए उनकी राजनीतिक सक्रियता पर विराम लगाया, उससे भी सर्वोच्च न्यायालय के ताजा कदम पर सबकी नजर रहेगी।

यों राज्यपालों की नियुक्तियों को लेकर ही लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। सक्रिय राजनीति में लंबा समय बिता चुके लोगों को राज्यपाल पद की जम्मेदारी सौंपी जाती है, तो वे राजभवन में रहते हुए भी अपने दल और केंद्र सरकार की इच्छाओं के अनुरूप काम करते देखे जाते हैं। यही वजह है कि जहां उन्हें राज्य की चुनी हुई सरकार के साथ तालमेल बिठा कर फैसले करने चाहिए, वे नाहक उसके काम में अड़ंगा लगाना शुरू कर देते हैं। पश्चिम बंगाल में भी लंबे समय से यही देखा जा रहा है। इसी आधार पर राज्यपाल शुरू में अपने ऊपर लगे आरोप को राज्य सरकार की साजिश कह कर खारिज करने का प्रयास करते रहे। मगर मामला इतना हल्का है नहीं।

किसी राज्यपाल पर छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न का आरोप उस पद की गरिमा को चोट पहुंचाने जैसा है। ऐसे मामलों की सच्चाई तो किसी भी हाल में उजागर होनी चाहिए। उसकी जांच को केवल इसलिए नहीं रोक दिया जाना चाहिए कि राज्यपाल को आपराधिक मामलों में संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है। लेकिन अगर राज्यपाल के अधिकारों को ऊपर रखा जाएगा, तो आरोप लगाने वाली महिला के न्याय के अधिकार की रक्षा कैसे हो पाएगी। इन्हीं सब सवालों के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय राज्यपाल को मिले संरक्षण की समीक्षा करेगा। स्वाभाविक अपेक्षा है कि 'कानून की नजर में सब बराबर हैं' का सिद्धांत सर्वोपरि माना जाएगा।

2 साल में मिलती है दुर्लभ मछली, वजन 15 किलो

जरा हट के

दक्षिण भारत हो या बंगाल बिहार, मछली इन प्रदेशों का प्रिय भोज है. हालांकि मछली के शौकीन तो पूरे भारत में हैं. मछली कई तरह की होती हैं. लेकिन मछली अपने स्वाद आकार और कीमत के कारण बाकी सब से अलग है. ये मछली दो साल के अंतराल में आती है.

मछली के काफी प्रकार होते हैं. लेकिन लोग इस मछली के बारे में कम ही जानते होंगे. ये है मोए मछली. ज्यादा कांटे होने की वजह से लोग इसे नहीं खरीदते हैं. लेकिन जो लोग इसके बारे में जानते हैं या मछली खाने के शौकीन हैं वो जरूर मोए मछली खरीदते हैं. इसका स्वाद सभी मछलियों से अलग होता है.

कैसी है मोए मछली

मोए मछली एक भारी भरकम जलीय जीव है. इसका वजन 5 किलो से 15 किलो तक है. ये बाजार में काफी कम मात्रा में पायी जाती है. स्थानीय मंडी में इसकी कीमत 500 से1000 हजार रुपये तक होती है. खास बात ये कि 2 साल के अंतराल पर बाजार में यह मछली आती है. हाजीपुर मच्छी बाजार में इन दिनों मोए मछली दिख रही है. यह हाजीपुर में पकड़ी जाती है लेकिन इसका सबसे ज्यादा बाजार कोलकाता और सिलीगुड़ी में होता है. यहां पहुंचते ही यह मछली झट से बिक जाती है.

मछली व्यवसायी हीरा साहनी बताते हैं ये मछली स्वाद में बहुत स्वादिष्ट होती है. यह सबसे महंगी मछली होती है और हर जगह नहीं मिलती. हाजीपुर में भी दो साल में मिलती है वो भी सिर्फ एक या दो बार. इसका वजन 5 किलो से लेकर15 किलो तक होता है. इसकी सिलीगुड़ी में ज्यादा डिमांड है. कीमत ऊंची होने के कारण वहां आराम से बिकती है. वो कहते हैं गंगाजी से मछली का जीरा लाए थे. इसे तैयार करने में 1 साल लगा. अब इसे बाजार लाये हैं.

आंखों पर न करें अत्याचार!

आंखों को सुकून देगा यह फॉर्मूला

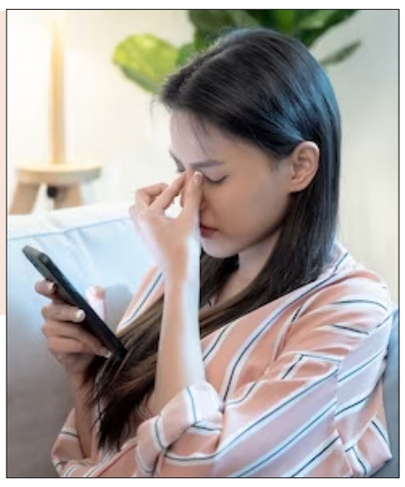

मोबाइल चलाते समय बीच-बीच में 20-20-20 फॉर्मूला का पालन करें. इसका मतलब है कि, हर 20 मिनट में, 20 सेकंड के लिए, अपनी स्क्रीन से 20 फीट दूर किसी वस्तु को देखें. ऐसा करने से आपकी आंखों को आराम मिलेगा. साथ ही एकाग्रता भी बढ़ेगी. वहीं, मोबाइल की ब्राइटनेस को एडजस्ट करते रहें. ध्यान रखें कि, आपकी स्क्रीन की ब्राइटनेस और आप जहां हो वहां की लाइट के बराबर हो. इससे आंखों पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है.

स्मार्टफोन का इस्तेमाल लगभग हर दूसरा यूजर लगातार कर रहा है. यही वजह है कि दुनिया में स्मार्टफोन यूजर्स की संख्या अरबों में है, जोकि लगातार बढ़ती जा रही है. यह लोगों के लिए जितना जरूरत बन गया है, उससे कहीं ज्यादा घातक भी. लेकिन, जानकारी न होने की वजह से लोग लगातार घंटों मोबाइल से चिपककर आंखों पर अत्याचार कर रहे हैं. लंबे समय तक नजरअंदाज करने से यूजर को आईस्ट्रेन और मायोपिया का भी जोखिम बढ़ सकता है. ऐसे में एक्सपर्ट मोबाइल का यूज सीमित और उचित दूरी में करने की सलाह देते हैं. अब सवाल है कि लगातार मोबाइल आंखों के लिए कैसे घातक? मोबाइल चलाते समय आंखों से कितनी दूर रखें? इन सवालों के बारे में News18 को जानकारी दे रहे हैं राजकीय मेडिकल कॉलेज कन्नौज के नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक रंजन-

डॉ. आलोक रंजन बताते हैं कि, स्मार्टफोन के लगातार इस्तेमाल से आंखों पर बुरा असर पड़ता है? यह जानते हुए भी लोग मोबाइल पर घंटों चिपके रहते हैं. सेहत की परवाह किए बगैर गेम खेलने से लेकर मूवी देखने का हर शौक यूजर्स स्मार्टफोन पर पूरा कर लेते हैं. दरअसल, मोबाइल से निकलने वाली रोशनी आंखों और रेटिना के लिए खतरनाक हो सकती है. क्योंकि यह कॉर्निया और लेंस द्वारा अवरुद्ध नहीं होती है, इसलिए घातक होती है. इस स्थिति में थकान, खुजली और आंखों में सूखापन, धुंधली नजर और सिरदर्द जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं.

कितनी दूर रखें मोबाइल?

एक्सपर्ट के मुताबिक, ज्यादातर यूजर्स स्मार्टफोन को चेहरे से करीब 8 इंच की दूरी पर रखते हैं. ऐसा करना आंखों के लिए घातक हो सकता है. क्योंकि, मोबाइल फोन को इतने पास रखेंगे, आंखों को उतना ही नुकसान होगा. ऐसे में कोशिश करें कि मोबाइल को चेहरे से कम से कम 12 इंच यानी 30 सेंटीमीटर से दूर रखें.

पलकों को बीच-बीच में झपकाएं

लगातार स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते समय थोड़ी-थोड़ी देर में पलकें झपकना बेहद जरूरी है. समय-समय पर पलक झपकने से आंखों में नमी रहेगी, जिससे सूखापन व जलन नहीं होगी. इसके असाला, पलक झपकने से आपकी आंखों को फिर से फोकस करने में मदद मिलेगी. ऐसे में कोशिश करें कि 15 मिनट में लगभग 10-12 बार पलकें झपकाएं.

चना दाल कचौड़ी

भारत में तीज त्योहारों पर तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। कचौरी भी बनाई जाती है, जिसमें दाल भरी जाती है। कुछ जगहों पर उरद दाल, कुछ जगहों पर मूंग दाल और कुछ स्थानों पर चना दाल भरकर कचौड़ी बनती है। मध्य उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल के देहात-कस्बों में घरों पर बेड़वी रोटी (दाल की भरवां रोटी) बनाने का भी चलन है।

सामग्री

- आधा कप चना दाल भिगी हुई
- नमक
- दो कप आटा
- एक चम्मच सूची
- एक चम्मच घी
- अजवाइन
- हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- हरा धनिया
- हरी मिर्च
- तेल

कचौड़ी का मिश्रण

भीगी हुई चने की दाल को हल्का नमक डालकर 40 मिनट के लिए

खुले बर्तन में मीडियम फ्लेम पर पका लें। दाल का पानी जब सूख जाए तो कढ़ाई में एक चम्मच घी डालकर दाल को भून लें। दाल में थोड़ी अजवाइन, हल्दी, मिर्च, धनिया पाउडर और नमक डाल लें।

इसके अलावा बारीक कटा हरा धनिया, हरी मिर्च मिला सकते हैं। सारी सामग्री मिलाकर दाल को भूनते हुए अच्छे से मैश कर लें।

विधि :

आटे में एक चम्मच सूजी, एक चम्मच घी, हल्का नमक मिलाकर गूथ लें। आटे को 10 मिनट के लिए सेट होने के लिए ढककर रख दें। जब दाल का मिश्रण ठंडा हो जाए तो आटे की लोई थोड़ी बड़ी लेकर उसमें स्टफिंग भर लें। पूरी जैसी शेप देकर छोटी छोटी कचौरी बेल लें।

कड़ाही में तेल गर्म करके इसमें पूरी फ्राई कर लें, जब तक पूरी फूल कर क्रिस्पी न हो जाए

तैयार है चना दाल की कचौड़ी, आमरस के साथ खाएंगे।

उम्र के हिसाब से कितने घंटे सोना चाहिए?

अनिद्रा का सेहत पर क्या पड़ता असर

सेहतमंद रहने के लिए जिस तरह भोजन, पानी की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह पर्याप्त नींद भी जरूरी होती है. लेकिन, आजकल की भागदौड़ ने लोगों का चैन छीन लिया है. दिनभर काम के तनाव का सीधा असर उनकी रात की नींद पर पड़ रहा है. नींद का रुटीन चक्र टूटने से इंसान में कई तरह की समस्याएं होने का जोखिम बढ़ता है. यही वजह है कि डॉक्टर हमें पर्याप्त नींद लेने की सलाह देते हैं. ऐसा करने से न सिर्फ शारीरिक लाभ होगा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होगा. हालांकि, रोज कितना सोना है ये व्यक्ति की उम्र पर डिपेंड करता है. अब सवाल है कि आखिर उम्र के हिसाब कितना सोना चाहिए? आइए जानते हैं इस बारे में-

क्यों जरूरी है पर्याप्त नींद

कई लोग तनाव को दूर रखने के लिए रातभर टीवी या मोबाइल पर सिनेमा देखते हैं या कई लोग दुनियादारी की चिंता में रात की नींद से हाथ धो बैठे हैं. जिसका सीधा असर उनकी सेहत पर पड़ता है. नेशनल स्लीप फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, हमेशा सेहतमंद रहने के लिए कम से कम 7 घंटे की रात की नींद जरूरी है. हालांकि, बेहतर हेल्थ और ग्रोथ के लिए हर उम्र के लोगों की नींद लेने का समय बदलता रहता है.

पर्याप्त नींद न लेने से होने वाली समस्याएं

जरूरी कामों की तरह पर्याप्त नींद लेना भी जरूरी होता है. ऐसा नहीं करने से कई बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है. डॉक्टरों की मानें तो पर्याप्त नींद न लेने से डायबिटीज, हार्ट रोग और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है. इसके अलावा, कम नींद का असर शरीर की कोशिकाओं पर भी पड़ता है. वहीं, पर्याप्त नींद न लेते से शरीर में मिनिरल्स का संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे हड्डियां भी कमजोर हो सकती हैं.

किस उम्र में कितनी नींद जरूरी?

रिपोर्ट के मुताबिक, हर उम्र के लोगों के लिए नींद का अलग पैमाना है. इसके लिए, आप अपनी नींद की अवधि दो चरणों में यानी दिन-रात के आधार पर बांट सकते हैं. ये है उम्र के हिसाब से सोना का पैमाना मीटर

- 4 से 12 माह के बच्चे- 12 से 16 घंटे
- 1 से 2 साल के बच्चे- 11 से 14 घंटे
- 3 से 5 साल के बच्चे 11 से 14 घंटे
- 6 से 12 साल के बच्चे- 9 से 12 घंटे
- 13 से 18- 8 से 10 घंटे
- 18 साल के बाद- कम से कम 7 घंटे
- 60 साल के बाद- 8 घंटे यानी 1 घंटे की नींद बढ़ सकती है.

अब कमर का तेज दर्द भी होगा ठीक..!

5 घरेलू उपाय

गर्म-ठंडी सिकाई

हेल्थलाइन की रिपार्ट के मुताबिक, कमर दर्द से निजात पाने के लिए गर्म-ठंडी सिकाई कारगर मानी जाती है. इसके लिए बर्फ के 1 टुकड़े को कपड़े में लपेटकर 20 से 25 मिनट तक प्रभावित जगह पर लगाएं. आप चाहें तो गर्म पानी की बोतल या हीटिंग पैड का भी यूज कर सकते हैं. ऐसा करने से मांसपेशियों का तनाव कम होगा और दर्द से राहत मिलेगी.

अदरक-तुलसी चाय

कमर दर्द से राहत पाने के लिए अदरक या तुलसी से बनी का सेवन कर सकते हैं. इसके लिए लिए अदरक के टुकड़े पानी में डालकर उबालना होगा. आप चाहें तो इसमें तुलसी के पत्तों को भी डाल सकते हैं. इसके बाद आप इसमें शहद मिलाकर पीएं. ऐसा करने से सूजन से निजात और दर्द से राहत मिल सकती है.

हल्दी का सेवन

कमर दर्द में हल्दी का भी सेवन किया जा सकता है. बता दें कि, हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है, जोकि, सूजन और दर्द को कम करने में असरदार है. इसके लिए एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर रात में सोने से पहले पीना है. इस उपाय से आपको 2 दिन में ही राहत मिलनी शुरू हो जाएगी.

सरसों तेल की मालिश

बैक पेन से निजात पाने के लिए नमक और सरसों भी कारगर हैं. इसके लिए सरसों के तेल में थोड़ा सा नमक मिलाकर पीठ पर मालिश करनी होगी. इसके लिए सरसों तेल में थोड़ा नमक मिलाकर गर्म करना है. इसके बाद इसे गुनगुना ही दर्द वाली जगह पर लगाकर मालिश करना है. ऐसा करने से मांसपेशियों का दर्द कम हो सकता है.

नियमित व्यायाम-योग

रिपोर्ट के मुताबिक, नियमित हल्के व्यायाम और योगासन पीठ दर्द कम करने में काफी असरदार हो सकते हैं. इसके लिए आप पेट के बल लेटकर किया जाने वाला भुजंगासन कर सकते हैं. इसके अलावा, आप चाहें तो पीठ के बल लेटकर शवासन भी कर सकते हैं.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें।

वृषभ : कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा। आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। दिन की शुभता का लाभ मिलेगा। किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मिथुन : पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। प्रमाद से बचें। जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क : किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद न करें। बेचैनी रहेगी।

सिंह : व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। प्रमाद न करें। कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी।दूसरों से अपेक्षा न करें।

कन्या : आज के दिन शुभता का लाभ मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। समय अनुकूल है। प्रसन्नता रहेगी।

तुला : किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। जरूरी वस्तु गुम हो सकती है। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी।

धनु : आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च हो सकता है।

मकर : रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा। विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें।

कुंभ : नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। समय अनुकूल है। लाभ लें। समाजसेवा में रुझान रहेगा।

मीन : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

युवकों ने दलित लड़कियों से की छेड़छाड़, विरोध करने पर धारदार हथियार से किया हमला

बहराइच. बहराइच से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां तीन दलित युवतियों से छेड़छाड़ का विरोध करने पर बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। इससे एक लड़की सहित पांच लोग घायल हो गए।। सूचना मिलने पर पुलिस ने इस मामले में 9 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। ये घटना नानपारा क्षेत्र का है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण क्षेत्र) पवित्र मोहन त्रिपाठी ने सोमवार को बताया कि नानपारा कोतवाली क्षेत्र के मोतीसिंह पुरवा गांव के रहने वाले दलित समुदाय के एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई कि रविवार शाम उसके परिवार की तीन लड़कियां बोधवा चौराहे पर कुछ सामान खरीदने गयी थीं। तभी बाजार में मांस की दुकान चलाने वाले सलमान और असलम ने लड़कियों से छेड़छाड़ की। लड़कियों और उनके साथ आए एक लड़की के भाई ने विरोध किया तो बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया।

ताजिए के बाद हुए बवाल में घायल युवक की मौत, उपद्रवियों के घर चला बुलडोजर,

बरेली. बरेली में शाही के गौसगंज में हुए बवाल के दौरान घायल तेजराम की रविवार रात इलाज के दौरान मौत हो गई। गांव के माहौल को देखते हुए फोर्स की तैनाती बढ़ा दी गई है। वहीं, खुराफातियों के 16 अवैध निर्माण चिन्हित कर उन पर भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस और प्रशासन की निगरानी में बुलडोजर से उनके मकान ध्वस्त किए जा रहे हैं। शाही के गांव गौसगंज में 17 जुलाई को ताजिया निकालने के दौरान मंदिर के सामने ढोल बजाने से मना करने को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसकी रंजिश में शुक्रवार रात समुदाय विशेष के आरोपियों ने सुनियोजित साजिश के तहत गांव में बवाल कर दिया।

क्रूरता की हद, गला रेता फिर पेट फाड़कर की हत्या

देवरिया. देवरिया जिले में रोंगटे खड़े कर देने वाली एक घटना हुई है। यहां सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के हिछौरा गांव के बाहर चकरोड पर एक युवक की गला रेतकर और पेट फाड़ कर निर्मम हत्या कर दी गई है। सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के हिछौरा गांव निवासी आकिब अहमद (उम्र 22 वर्ष) पुत्र शमीम अहमद रविवार की रात 11 बजे पिता के साथ भोजन कर बाहर दरवाजे पर मच्छरदानी लगाकर सोने चला गया। सोमवार की सुबह उसका शव गांव के बाहर चकरोड पर मिला। देर रात गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास उसकी गला रेत कर और पेट फाड़ कर निर्मम हत्या की गई। घटना की सूचना फैलते ही मौके पर भीड़ जुट गई।

10 साल की बच्ची से किया रेप

बस्ती. बस्ती में 10 साल की एक बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। ये बच्ची कुछ और बच्चों के साथ आम के बाग में आम तोड़ने गई थी। वहां बाग मालिक के बेटे ने भूत-भूत कहकर बच्चों को भगा दिया। इसके बाद बच्ची अकेली रह गई थी तो उसके साथ रेप कर दिया।

पीड़ित बच्ची के पिता ने बस्ती के कप्तानगंज थाने की पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बच्ची के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसकी 10 वर्षीय बेटी गांव के अन्य बच्चों के साथ करीब के बाग में आम तोड़ने के लिए गई थी। बाग में बाग मालिक का बेटा छुपा हुआ था।

कांवड़ रूट की दुकानों पर नेमप्लेट जरूरी नहीं

- सुप्रीम कोर्ट ने UP सरकार का फैसला रोका
- कहा- भोजन शाकाहारी है या मांसाहारी यह बताएं

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा रूट पर दुकानदारों को अपनी पहचान बताने को लेकर कई राज्य सरकारों के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है।

कोर्ट ने सोमवार, 22 जुलाई को कहा कि दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं है। होटल चलाने वाले यह बता सकते हैं कि वह किस तरह का खाना यानी, शाकाहारी या मांसाहारी परोस रहे हैं। लेकिन उन्हें अपना नाम लिखने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

अदालत ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक जवाब देने को कहा है।

तीनों राज्यों में कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकान मालिकों को अपना नाम लिखने का आदेश दिया गया था। इसके खिलाफ एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नाम के NGO ने 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

याचिकाकर्ता के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि अल्पसंख्यकों की पहचान के जरिए उनका आर्थिक बहिष्कार किया जा रहा है। यह चिंताजनक है। सुप्रीम कोर्ट में मामले पर 26 जुलाई को अगली सुनवाई होगी।

यूपी के बाद एमपी के उज्जैन और उत्तराखंड में आदेश जारी हुए

यूपी के बाद 20 जुलाई को उत्तराखंड और मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी कांवड़ यात्रा रूट पर आने वाली दुकानों में दुकानदारों का नाम और मोबाइल नंबर लिखना जरूरी कर दिया गया था। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि कुछ लोग अपनी पहचान छिपाकर दुकान खोलते हैं।

उज्जैन में नगर निगम यह आदेश एक साल पहले ही दे चुका था। हालांकि, इस पर अमल नहीं हो रहा था। उज्जैन के मेयर मुकेश टटवाल ने कहा था कि इस बार सावन के महीने में आदेश पर सख्ती से अमल करवाएंगे।

- यूपी में नाम लिखने का आदेश दो स्तर से जारी हुआ- पुलिस और यूपी सरकार

1. **पुलिस :** 17 जुलाई को मुजफ्फरनगर के **SSP** अभिषेक सिंह ने कहा कि जिले के करीब 240 किमी एरिया में कांवड़ मार्ग पड़ता है। सभी होटल, ढाबा, ढुकान और ठेले, जहां से कांवड़िए खाने का सामान खरीद सकते हैं, सभी को अपनी दुकान के बाहर मालिक का नाम और नंबर साफ अक्षरों में लिखना पड़ेगा। ऐसा करना इसलिए जरूरी था, ताकि कांवड़ियों में कोई कन्फ्यूजन न रहे और कानून व्यवस्था में बाधा न आए। सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए ये कदम उठाना जरूरी था।
2. **सरकार :** मुजफ्फरनगर पुलिस का आदेश सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद 19 जुलाई को सरकार ने इसे पूरे राज्य में लागू कर दिया। सरकार के मुताबिक, कांवड़ियों की शुचिता बनाए रखने के लिए ये फैसला लिया गया है। हलाल सर्टिफिकेशन वाले प्रोडक्ट बेचने वालों पर भी कार्रवाई होगी।

संसद में NEET पर हंगामा

- राहुल बोले- देश का एग्जामिनेशन सिस्टम फ्रॉड
- शिक्षा मंत्री ने कहा- चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता

नई दिल्ली. मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान NEET में हुई गड़बड़ी पर बोल रहे थे। इस दौरान विपक्ष ने हंगामा किया और उनके इस्तीफे की मांग की। शिक्षा मंत्री बोले- मामला सुप्रीम कोर्ट में है और कोर्ट का जो भी निर्देश होगा हम उसे मानेंगे। कोर्ट ने सभी छात्रों के सिटी और सेंटर वाइज रिजल्ट जारी करने को कहा था, जो पब्लिक डोमेन में है।

राहुल गांधी ने कहा- देश को

दिख रहा है कि परीक्षा सिस्टम में बहुत सी कमी है। शिक्षा मंत्री ने सबकी कमी गिना दी, लेकिन अपनी नहीं गिनाई। हमारा एग्जाम सिस्टम फ्रॉड है।

इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा- सिर्फ चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता। विपक्ष के नेता का यह कहना कि देश की परीक्षा प्रणाली बकवास है, बेहद निंदनीय है।

प्रधान ने कहा- 2010 में मनमोहन सिंह सरकार में कपिल सिब्बल शिक्षा सुधार के लिए 3 बिल लाए। उनमें से एक अनियमितता रोकने के लिए था। उसे किसके दबाव में वापस लिया गया। क्या यह निजी मेडिकल कॉलेजों के दबाव के कारण था? और वे (राहुल गांधी) हमसे सवाल पूछ रहे हैं।

मानसून सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी सुबह 10:15 बजे संसद पहुंचे और मीडिया से 21 मिनट बात की। उन्होंने कहा- संसद का मानसून सत्र सावन के पवित्र दिन पर शुरू हो रहा है।

मोदी बोले- जून में नई संसद के गठन के बाद देश के प्रधानमंत्री का गला घोंटने का प्रयास किया गया। मुझे इसका कोई दुख नहीं है। इस बार हम मजबूत बजट लेकर आ रहे हैं।

अभी विशेष दर्जा नहीं पाएगा बिहार

नई दिल्ली. संसद में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग उठी, लेकिन सरकार ने ऐसे किसी भी प्लान से इनकार कर दिया है। खास बात है कि NDA यानी नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस में भारतीय जनता पार्टी के साथ जनता दल (यूनाइटेड) भी इसकी मांग करते रहे हैं। सरकार की तरफ से मना किए जाने के बाद राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने जमकर निशाना साधा है और कहा कि बिहार को विशेष राज्य और विशेष पैकेज दोनों ही चाहिए।

बिहार के झंझारपुर से जदयू सांसद रामप्रीत मंडल ने वित्त मंत्रालय से सवाल किया कि क्या सरकार के पास बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की कोई योजना है। इसपर वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लिखित जवाब में इससे इनकार कर दिया।

पूजा खेडकर की मां 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

- किसान को धमकाने और जमीन हड़पने का आरोप
- पिता अंतरिम जमानत पर

पुणे. UPSC सिलेक्शन को लेकर विवादों में घिरीं ट्रेनी IAS पूजा खेडेकर की मां को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुणे पुलिस ने उन्हें सोमवार को मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया था। मनोरमा पर किसानों को पिस्टल से धमकाने और जमीन हड़पने का आरोप है।

सोशल मीडिया पर मनोरमा का 2023 का एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में मनोरमा जमीन को लेकर एक किसान को पिस्टल दिखाकर धमका रही हैं। पुलिस ने 18 जुलाई को उन्हें रायगढ़ के महाड के एक होटल से गिरफ्तार किया था। वे यहां एक लॉज में कैब ड्राइवर के साथ रूकी थीं। उन्होंने ड्राइवर को अपना बेटा बताया था। लॉज में रूम बुक करने के लिए मनोरमा ने फेक आधार कार्ड का इस्तेमाल किया था। इससे पहले 19 जुलाई को इसी मामले में पूजा खेडकर के पिता दिलीप कोंडीबा खेडकर को सेशन कोर्ट ने 25 जुलाई तक अंतरिम जमानत दे दी है।

'संसद दल नहीं, देश के लिए है'

- विपक्ष ने पिछले सत्र में प्रधानमंत्री का गला घोंटा
- 2.5 घंटे मेरी आवाज दबाने की कोशिश की

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में पहला बजट पेश करने से पहले सोमवार (22 जुलाई) को मीडिया को संबोधित किया। मोदी ने बजट सत्र के दौरान सरकार के एजेंडे पर बात की। उन्होंने कहा कि यह बजट अगले पांच साल की दिशा तय करेगा और 2047 में विकसित भारत के सपने को पूरा करने की नींव रखेगा।

मोदी ने जून में सरकार बनने के बाद लोकसभा के पहले सत्र में विपक्ष के हंगामे की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संसद दल के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए है। 140 करोड़ देशवासियों ने बहुमत के साथ जिस सरकार को चुना, पहले सत्र में उसकी आवाज को कुचलने का अलोकतांत्रिक प्रयास हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा- विपक्ष ने अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए संसद के समय का इस्तेमाल किया। देश के प्रधानमंत्री का गला घोंटने का प्रयास किया। ढाई घंटे मेरी आवाज दबाने की कोशिश की। लोकतांत्रिक परंपराओं में ऐसे आचरण का कोई स्थान नहीं हो सकता। इसका कोई पश्चाताप तक नहीं है।

मोदी बोले- आज सावन का पहला सोमवार है। इस पवित्र दिवस पर एक महत्वपूर्ण सत्र की शुरुआत हो रही है। आज संसद का मानसून सत्र आरंभ हो रहा है। देश बहुत बारीकी से देख रहा है कि संसद का यह सत्र सकारात्मक हो, सृजनात्मक हो और देशवासियों के सपनों को सिद्ध करने के लिए एक मजबूत नींव रखने वाला हो।

प्रधानमंत्री ने कहा- भारत के लोकतंत्र की जो गौरव यात्रा है, उसमें यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव के तौर पर देख रहा हूं। व्यक्तिगत तौर पर मुझे और साथियों को गर्व का विषय है कि 60 साल बाद कोई सरकार तीसरी बार वापस आई और तीसरी पारी के पहले बजट का सौभाग्य प्राप्त हो।

नूंह में कर्फ्यू जैसे हालात के बीच ब्रजमंडल यात्रा

- साधु-संतों के काफिले में आगे-पीछे पुलिस की 6-7 गाड़ियां
- 3 घंटे की देरी हुई

नूंह. हरियाणा के नूंह में पिछले साल हुई हिंसा के बाद सोमवार (22 जुलाई) को फिर पांडवकालीन शिव मंदिरों में कर्फ्यू जैसे हालात के बीच ब्रजमंडल यात्रा निकाली गई। यात्रा का टाइम सुबह 10 बजे का था, लेकिन करीब 3 घंटे की देरी के बाद यात्रा नलहड़ेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के बाद शुरू हुई।

इसके बाद पुलिस की गाड़ियों के साथ साधु संतों और श्रद्धालुओं का काफिला फिरोजपुर झिरका के झिरकेश्वर मंदिर और फिर पुन्हाना के सिंगार श्रृंगेश्वर महादेव मंदिर पहुंचा। यहां यात्रा शांतिमय तरीके से संपन्न हुई।

इस 80 किलोमीटर लंबी यात्रा के लिए प्रशासन की तरफ से 5 घंटे का समय तय किया गया था, लेकिन यह 4 घंटे में ही पूरी हो गई। वहीं हिंसा के आशंका मद्देनजर प्रशासन ने यहां सोमवार शाम 6 बजे तक इंटरनेट बंद किया। इसके साथ नूंह में 2 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। अरावली की पहाड़ियों की ड्रोन के जरिए निगरानी रखी गई। यात्रा को दोनों तरफ से पुलिस ने सिक्योरिटी कवर दिया।

यात्रा को लेकर बीते कल ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के चेयरमैन डॉ. इमाम उमेर अहमद इलियासी ने कहा था कि पिछली बार हिंसा की वजह से मुस्लिमों पर दाग लगा। इस यात्रा को कामयाब बनाकर दाग धोने का यह अच्छा समय है।

शौर्य चक्र विजेता के घर आतंकी हमला

जम्मू. जम्मू के राजौरी के घोंधा में सोमवार (22 जनवरी) सुबह आतंकियों ने एक शौर्य चक्र विजेता के घर पर हमला किया। घटना सुबह 3:10 बजे हुई। हमले की खबर लगते ही 63 आरआर आर्मी कैंप से आई टुकड़ी ने जवाबी कार्रवाई की और एक आतंकी को मार गिराया। आतंकी की पहचान नहीं हो पाई है।

शौर्य चक्र विजेता की पहचान परशोत्तम कुमार के रूप में हुई है। उन्हें पिछले महीने दो आतंकियों को मारने के बाद यह सम्मान मिला था। परशोत्तम कुमार विलेज डिफेंस गार्ड भी हैं। आतंकी हमले में एक जवान और परशोत्तम कुमार के चाचा घायल हुए हैं। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद और सुरक्षाबलों को मौके पर भेजा गया है। छिपे हुए आतंकियों का पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। गंडोह के जंगलों में आंतकियों के छिपे होने की आशंका है। पिछले कुछ महीनों में जम्मू रीजन में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी हुई है। 16 जुलाई को डोडा और 8 जुलाई को कठुआ में आतंकियों के हमले में 10 जवान शहीद हो गए थे।

धोती पहने किसान को नहीं दी थी एंट्री

- अब सभी मॉल पर नकेल कसेगी सरकार

बेंगलुरू. कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि धोती पहने एक किसान को उसके पहनावे के कारण प्रवेश से वंचित किए जाने के मद्देनजर सरकार सभी मॉल और अन्य प्रतिष्ठानों को दिशानिर्देश जारी करेगी। घटना के बाद सरकार ने 18 जुलाई को यहां जीटी वर्ल्ड मॉल को सात दिनों के लिए बंद करने का आदेश दिया था। इस घटना की विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर विधानसभा में कड़ी निंदा की थी। सरकार ने किसान के कथित अपमान को एक व्यक्ति की ''गरिमा और स्वाभिमान'' का उल्लंघन करार दिया था और कहा था कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। शिवकुमार ने सोमवार को विधानसभा में कहा, ''पिछले हफ्ते एक गांव के किसान को उसके 'पंचे' (धोती) पहनने के कारण मॉल में प्रवेश से वंचित किए जाने पर विधानसभा में चर्चा हुई थी। पंचे हमारी सांस्कृतिक परिधान है। घटना के बाद, मॉल को बंद करने के आदेश जारी किए गए थे।

फिटनेस की वजह से हार्दिक को कप्तानी नहीं -आगरकर

श्रीलंका के दौरे पर जाने से पहले टीम के नए हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने आज यानी सोमवार को मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें अगरकर ने कहा, 'सूर्यकुमार यादव को इसलिए कप्तान बनाया गया, क्योंकि वह योग्य उम्मीदवारों में से एक हैं। वे बेस्ट टी-20 बल्लेबाजों में से एक हैं। आप ऐसा कप्तान चाहते हैं जो सभी मैच खेले। हार्दिक पंड्या की फिटनेस उनके लिए एक चुनौती रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'हार्दिक काफी अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी फिटनेस चिंता का विषय है। चयनकर्ताओं और कोच के लिए उन्हें हर मैच खिलाना मुश्किल हो जाता है। हम ऐसा कप्तान चाहते थे जो सभी मैच खेलने के लिए उपलब्ध हो। सूर्या में सफल होने के लिए सभी आवश्यक गुण हैं।'

27 जुलाई से खेली जाएगी सीरीज

टीम आज दोपहर मुंबई एयरपोर्ट से श्रीलंका के लिए रवाना हुई। गंभीर और चीफ सिलेक्टर अगरकर ने श्रीलंका दौरे के लिए 18 जुलाई को भारतीय टीम का ऐलान किया। टीम के ऐलान में सबसे बड़ा फैसला हार्दिक को टी-20 की कप्तानी न देने का रहा है। श्रीलंका में टीम इंडिया 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। पहला मुकाबला पल्लेकेले में 27 जुलाई को शाम 7:00 बजे से खेला जाएगा। वनडे सीरीज की शुरुआत 2 अगस्त से कोलंबो में होगी।

रोहित-कोहली खेल सकते हैं वर्ल्ड कप 2027- गंभीर

गंभीर ने कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित-विराट ने दिखा दिया है कि वे बड़े मंच पर क्या कर सकते हैं, चाहे वह टी-20 वर्ल्ड कप हो या वनडे वर्ल्ड कप। उन दोनों खिलाड़ियों में अभी बहुत क्रिकेट बचा है। चैंपियंस ट्रॉफी है, ऑस्ट्रेलिया सीरीज है, फिर अगर फिटनेस अच्छी रही तो 2027 वर्ल्ड कप खेल सकते हैं।'

उज्जैन में महाकाल की सवारी निकली

- 2.15 लाख भक्तों ने दर्शन किए
- वाराणसी में मुस्लिमों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए

उज्जैन. सावन का आज पहला सोमवार है। सभी ज्योतिर्लिंगों में भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए रविवार रात से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी हैं।

मध्यप्रदेश के उज्जैन महाकाल मंदिर में 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचने की उम्मीद है। दोपहर 3 बजे तक 2.15 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। शाम 4 बजे बाबा महाकाल की सवारी निकाली गई।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में

काशी विश्वनाथ मंदिर में दोपहर 2 बजे तक करीब 2 लाख भक्तों ने दर्शन और जलाभिषेक किया। इस बार मंदिर में प्रवेश के लिए दो-तीन नए रास्ते बनाए गए हैं।

वाराणसी के गौदोलिया में कांवड़ यात्रियों का स्वागत मुस्लिम समाज ने किया। इन लोगों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए।

इधर, मुजफ्फरनगर में कांवड़ियों ने पुलिस पर कुर्सियां फेंकी। विवाद कांवड़ खंडित होने के कारण हुआ। कांवड़ियों ने होटल में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ की। झारखंड के देवघर में बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक और दर्शन के लिए 4 किमी लंबी लाइन लगी है। पहली सोमवारी पर डेढ़ लाख कांवड़ियों के पहुंचने की संभावना है।

महिला की रीढ़ में छोड़ी 3 सेमी की सुई

बेंगलुरु के एक अस्पताल में डॉक्टरों ने सर्जरी के दौरान एक महिला मरीज के रीढ़ की हड्डी में 3.2 सेंटीमीटर की सुई छोड़ दी। इससे महिला को पेट और पीठ में दर्द होने लगा। करीब 6 साल बाद जब दूसरे अस्पताल में महिला की सर्जरी हुई तो उनकी रीढ़ की हड्डी के पीछे से सुई निकली। मामला 2004 का है। इस केस में महिला की शिकायत के बाद 20 साल बाद कर्नाटक कंज्यूमर फोरम ने अस्पताल और सर्जरी करने वाले दो डॉक्टरों को महिला को 5 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। 29 सितंबर, 2004 को 46 साल की पद्मावती की दीपक अस्पताल में हर्निया की सर्जरी हुई। हालांकि, इसके बाद भी उन्हें पेट दर्द, कमर दर्द और ट्रॉमा का सामना करना पड़ा।

नौकरी तलाश रहे युवाओं को बड़ी सौगात

- सरकार का ऐलान- 1.5 लाख पदों पर सरकारी भर्तियां जल्द

पुरी. नौकरी तलाश रहे युवाओं को ओडिशा सरकार ने बड़ी सौगात दी है। सरकार ने ऐलान किया है कि वह जल्द ही राज्य में रिक्त सरकारी पदों के लिए बंपर वैकेंसी निकालने वाली है। यह घोषणा राज्यपाल रघुवर दास ने सोमवार को 17वीं विधानसभा के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 1.5 लाख सरकारी रिक्तियों को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से भरेगी और इनमें से 65 हजार पदों को अगले दो

साल में भरने का लक्ष्य रखा गया है। राज्यपाल रघुवर दास ने अपने संबोधन में कहा कि ओडिशा को विनिर्माण केंद्र में तब्दील करने के लिए राज्य सरकार ऑटोमोबिल,इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), सेमीकंडक्टर और आईटी/आईटीईएस को 'मेक इन ओडिशा' पहल के तहत प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि इस कदम से 2029 तक करीब 3.5 लाख नौकरियां सृजित होंगी जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और पूरे राज्य में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

राज्यपाल ने कहा कि सरकार युवाओं के कौशल विकास और 'अप्रेन्टस्शिप' को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि उन्हें आवश्यक अनुभव एवं विशेषज्ञता प्राप्त हो सके। अनुसूचित जाति(एससी) और अनुसचित जनजाति (एसटी) के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के कदमों को रेखांकित करते हुए दास ने बताया कि सरकार समुदाय के लोगों में उद्यमिता बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

2027 तक 25 लाख लखपति दीदी का लक्ष्य

उन्होंने महिलाओं की परिवार और सामाजिक ताने-बाने में अहम भूमिका को स्वीकार करते हुए रेखांकित किया कि ओडिशा में 2027 तक 25 लाख सफल महिला उद्यमी (लखपति दीदी) बनाने का लक्ष्य है। राज्यपाल ने बताया कि इस लक्ष्य को स्वयं सहायता समूहों के लिए औद्योगिक संकुल स्थापित कर और उनके उत्पादों के विपणन और प्रोत्साहन देकर किया जाएगा।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the Public at Large on behalf of my client MR. SANTOSH KEDARNATH GUPTA that the immovable property bearing description Shop No. 11, Ramdev Apartment, Station Road, Ulhasnagar - 421003, Thane, Maharashtra, belongs to my client MR. SANTOSH KEDARNATH GUPTA, AGED ABOUT 42 YEARS, residing at Santosh Kirana Stores, Salem Don Building, Govind wadi, Kalyan (W.) and the said MR. SANTOSH KEDARNATH GUPTA purchased the immovable property bearing description Shop No. 11, Ramdev Apartment, Station Road, Ulhasnagar 421003, Thane, Maharashtra from its previous owner. That the original title documents of the immovable property bearing description Shop No. 11, Ramdev Apartment, Station Road, Ulhasnagar 421003, Thane, Maharashtra have been misplaced by my client MR. SANTOSH KEDARNATH GUPTA and the same are not traceable. If anybody is in possession of the said original documents relating to the said property, they are requested to hand over the same to the below address within 7 days from the date of this notice. In case any person has any kind of claim on the said immovable property, such as mortgage and otherwise, the same shall also be communicated in writing along with supporting documents at the below address within 7 days from the date of this notice. Kindly note any claim after the said 7 days will not be entertained and the same shall be treated as null and void.

Sd/-
Adv. MANGESH SHIVAJI NERPAGARE
Maya Sadan, First Floor,
Near Barrack No. 1492, Section - 30/A,
Ulhasnagar - 421004, Dist. Thane, Maharashtra,
Mob: +91 8422012503/9284920340.

संक्षेप...

मुलुंड में हिट एंड रन का मामला, ड्राइवर गिरफ्तार

मुंबई. एक बार फिर हिट एंड रन के साथ ड्रंक एंड ड्राइव मामला सामने आया है. पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को शराब पीकर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने, ठोकर मारने और घायलों को बिना मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराए भाग जाने के जुर्म में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है. मुलुंड डंपिंग रोड पर सोमवार की अलसुबह एक ऑडी चालक ने एक रिक्शा को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि रिक्शा ने दूसरे रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे 2 रिक्शा चालक और 2 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए. टक्कर के बाद ऑडी चालक घायलों को बिना अस्पताल में भर्ती किराये भाग गया.मौके पर मौजूद लोगों की मदद से घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया.

स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी राकांपा

अजित पवार ने कहा - स्वतंत्र चुनाव लड़ने से कार्यकर्ताओं को मिलेगी मजबूती

पुणे. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने ये भी कहा कि महायुति के सभी घटक दल अलग-अलग और स्वतंत्र रूप से स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। अजित पवार ने पिंपरी चिंचवाड़ शहर में राकांपा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्र चुनाव लड़ने से कार्यकर्ताओं को मजबूती मिलेगी।

पवार ने कहा, "भले ही हम लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ते हैं, लेकिन महायुति के सदस्य स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं।" जूनियर पवार की यह घोषणा पिंपरी चिंचवाड़ में एनसीपी के स्थानीय नेताओं के एक वर्ग द्वारा पार्टी छोड़कर शरद पवार गुट में शामिल होने के बाद आई है।

हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में अपनी पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद अजित पवार को आगामी विधानसभा चुनावों में अपनी राजनीतिक क्षमता साबित करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि स्थानीय निकाय चुनाव के तहत नगर पालिका परिषदों, नगर पंचायतों और जिला परिषदों के चुनाव कराए जाते हैं, हालांकि अभी तक चुनाव की तारीख तय नहीं की गई है।

सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी भी शामिल हैं।

स्यूनैक्ट अस्पताल लाया भारत में पहली बार क्रांतिकारी कैंसर उपचार

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. अत्याधुनिक तकनीक और अभिनव कैंसर उपचार अब अंतरराष्ट्रीय लागत पर भारत में उपलब्ध है । इसे भारत के लिए एक मील का पत्थर कहा जा सकता है। SUNACT कैंसर इंस्टीट्यूट का आज टीटेन मेडिसिटी हॉस्पिटल बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर अभिनेत्री महिमा चौधरी के हाथों से उद्घाटन किया गया। GMP मॉड्यूलर यूनिट (प्रसिद्ध मेडिकल ऑन्कोलॉजिसर प्रोफेसर डॉ. विजय पाटिल और ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. आशय करपे के नेतृत्व में सुसज्जित भारत की पहली सुपर-स्पेशलाइज्ड कैंसर क्लिनिक का शुभारंभ हुआ।डॉ. विजय पाटिल ने कहा, SUNACT कैंसर संस्थान अत्याधुनिक तकनीकों, क्रांतिकारी उपचारों व व्यक्तिगत रोगी देखभाल के माध्यम से भारत में कैंसर के उपचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। CAR-T (एलोजेनिक) की पेशकश के अलावा, SUNACT CAR-T (ऑटोलॉगस), स्टेम सेल / बोन मैरो ट्रांसप्लांट, गामा डेल्टा टी-सेल्स, जीन थेरेपी (CRISPR, और जीन एडिटिंग), इम्यूनोथेरेपी, उन्नत / गहन कीमोथेरेपी वगैरह की भी पेशकश करेगा।शहर में एलोजेनिक सीएआर-टी सेल थेरेपी की पेशकश करने वाला देश का पहला और एकमात्र अस्पताल है।

अभिनेत्री महिमा चौधरी ने कहा कैंसर के इलाज में प्रगति देखकर आश्चर्य होता है, और यह जानकर बहुत खुशी होती है कि अब इस खतरनाक बीमारी से तमाम लोगों की जान बचाई जा सकती है। मैं अच्छे डॉक्टरों की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे आज यहां आमंत्रित किया और इस महान कार्य में अपना योगदान देने दिया। मुझे लगता है कि यह उस दिव्य और निस्वार्थ सेवा की तुलना में कुछ भी नहीं है जो यह डॉक्टर हमें प्रदान करते हैं।यह भारत में अपनी तरह की पहली सुविधा है।

छत्रपति शिवाजी और अर्जुन जैसे लक्ष्य लेकर चलें

- विधानसभा चुनाव को लेकर फडणवीस बोले- सबसे बड़ी पार्टी बनेगी भाजपा

पुणे. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। रविवार को पुणे में भाजपा के राज्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए फडणवीस ने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया के वे महाराष्ट्र में महायुति सरकार को फिर से चुनने के एकमात्र लक्ष्य के साथ उसी तरह काम करें, जैसे छत्रपति शिवाजी महाराज ने 'हिंदवी स्वराज्य' हासिल करने के अपने लक्ष्य का पीछा किया था और जैसे मछली की आंख पर अर्जुन का अटूट निशाना था।

उन्होंने पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से हर बार किसी निर्देश की प्रतीक्षा किए बिना विपक्ष के आरोपों का करारा जवाब देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि नेताओं को अगले मुख्यमंत्री के बारे में अटकलें लगाने से बचना चाहिए। फडणवीस ने जोर देकर कहा कि पार्टी को विधानसभा चुनाव का सामना करने के लिए एक साथ आना चाहिए और रनकारात्मक बातचीतर से बचना चाहिए।

महाविकास अघाड़ी पर साधा निशाना

अपने संबोधन के दौरान फडणवीस ने महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की आलोचना करते हुए उस पर महायुति सरकार द्वारा शुरू की गई सभी विकास और कल्याणकारी योजनाओं को रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि एमवीए कार्यकर्ताओं द्वारा बहु-महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना' को विफल करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन घोषणा की कि सरकार महिलाओं के सम्मान के लिए इसके कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दावा किया कि आम चुनावों में एमवीए की जीत संविधान में बदलाव और आरक्षण की समाप्ति के बारे में फर्जी बातें फैलाने के कारण हुई।

1.75 करोड़ वोट हासिल करेगी भाजपा

उन्होंने कहा, 'बीजेपी ने पहले अकेले 1.50 करोड़ वोट जीते हैं।' उन्होंने दावा किया, 'विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी 1.75 करोड़ वोट जीतेगी।' फडणवीस ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के साथ गठबंधन की सरकार बनाने के पार्टी के फैसले का दृढ़ता से बचाव करते हुए शिंदे को बाल ठाकरे के विचारों का सच्चा अनुयायी बताया।
उन्होंने कहा, 'जब अतीत में बीजेपी का एनसीपी के साथ टकराव हुआ था, तब सवाल उठाए गए थे कि एनसीपी के साथ कैसे रहना है। हालांकि, जब लक्ष्य तय हो जाता है तो हमें दो कदम आगे और दो कदम पीछे जाकर समझौता करना होता है। बीजेपी महायुति लेकर आई है। सरकार सत्ता में आए ताकि महाराष्ट्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बना रहे, जिन्होंने देश को बदल दिया है और विकास के लिए और अधिक बदलाव लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।'

सुंदरकांड व भजन कीर्तन सुनकर भक्त हुए विभोर

ठाणे. शहर स्थित शिवशांति प्रतिष्ठान के कार्यालय पर शनिवार शाम को भव्य सुंदरकांड,गायत्री पूजा व भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।प्रतिष्ठान के संस्थापक अध्यक्ष विनय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में इस तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम सदैव चलता रहता है। भक्तों ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ व भजन कीर्तन सुनकर भावविभोर हो गए।इस शनिवार को आयोजक ममता संजय सिंह, धनंजय शिव बहाल सिंह, दुर्गा धनंजय सिंह की ओर से 174 वां सुंदरकांड पाठ व गायत्री पूजा का आयोजन किया गया।भजन गायिका शिक्षा संस्कार के मुखारविंद से भजन कीर्तन सुनने का अवसर उपस्थित सभी भक्तों को हुआ।

पूर्व पार्षद निलेश चौधरी के द्वारा

सैकड़ों महिलाओं को भराया गया लाडली बहन योजना का फार्म

भिवंडी. महाराष्ट्र सरकार द्वारा लाडली बहन योजना के अंतर्गत 19 से 60 वर्ष तक की सभी महिलाओं को लाभ देने की घोषणा की गई है. भाजपा पूर्व पार्षद निलेश चौधरी द्वारा एक शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में सभी पात्र महिलाओं का निशुल्क फॉर्म कार्यकर्ताओं द्वारा भरा गया.पूर्व पार्षद निलेश चौधरी के कार्यालय अंजुर फाटा में लगाए गए शिविर में महिलाओं की भारी भीड़ जमा हो गई, जिसमें सरकार द्वारा की गई घोषणा के अनुसार पात्र महिलाओं को 1500 रुपया प्रति माह आर्थिक मदद महाराष्ट्र सरकार के तरफ से मिलेगी. भाजपा नगरसेवक निलेश चौधरी ने इस योजना के लिए महाराष्ट्र सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि यह लाडली बहन योजना से महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी.जिन महिलाओं का फॉर्म बाकी रह जाएगा, उन्हें अगले शिविर में इस योजना के तहत जोड़ने का प्रयास किया जाएगा. निलेश चौधरी के इस प्रयास की उपस्थित महिलाओं ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की है.

इंटर कॉलेज फुटबॉल : गर्डियन कॉलेज और सेंट पॉल ने मारी बाजी

- 22 महाविद्यालयों ने लिया था भाग
- बरसात में भी कम नहीं हुआ खिलाड़ियों का उत्साह

कल्याण. सेठ हीराचन्द मुथा महाविद्यालय कल्याण द्वारा आयोजित आंतर महाविद्यालयीन फुटबॉल प्रतियोगिता में कनिष्ठ महाविद्यालय गुट में गर्डियन कॉलेज और वरिष्ठ महाविद्यालयीन गुट में सेंट पॉल कॉलेज ने बाजी मारी। वहीं कनिष्ठ गुट में बिड़ला महाविद्यालय, तो वरिष्ठ गुट में सीएचएम कॉलेज उपविजेता रहे।

अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता में ठाणे जिले से कुल 22 टीमों ने भाग लिया था। शनिवार सुबह प्रतियोगिता की शुरुआत कॉलेज के चेयरमैन प्रकाश मुथा ने नारियल तोड़कर की, और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। बारिश के दौरान भी खिलाड़ियों में खेल को लेकर उत्साह कम नहीं हुआ। बरसात में भीगते हुए खिलाड़ियों ने जी-जान से प्रतियोगिता को अंजाम दिया। प्रतियोगिता के दौरान महाविद्यालय की प्राचार्या अनुजा ब्रम्हा, एक्यूएससी की प्रमुख प्राध्यापक दीपशिखा जैन, क्रीड़ा शिक्षक दिनेश थले, प्राध्यापक सुनील सूर्यराव, प्राध्यापक जगन मूरकूटे एवं प्राध्यापक राजेश खंडेराव सहित तमाम खेल प्रेमी मौजूद थे। रेफरी की भूमिका राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाले थॉमस कैस्तलिनी ने निभाई। कॉलेज की ओर से विजेता-उपविजेता टीम को ट्रॉफी और प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।

झूलेलाल चालीहा मंदिर ज्योत शिर्डी पहुंची

शिर्डी. उल्हासनगर शहर के प्रसिद्ध कैम्प 5 स्थित पूज्य चा ली हा सा ह ब झूलेलाल मंदिर में जो पवित्र ज्योत है उसे शिर्डी स्थित झूलेलाल मंदिर के लिए ले जाया गया है। मंदिर के गोपीचंद फुंदवानी, गोविंद गरुर, रमेश प्रेमानी, विजय ग्वालानी आदि सिंधी भाईयों ने इस ज्योत को शिर्डी में भी स्थापित किया है। शिर्डी में भी कई सिंधी समाज के लोग रहते हैं और चालीहा साहेब मेले का भी आयोजन करते हैं। सिंधी समाज साई झूलेलाल ट्रस्ट शिर्डी के सभी सेवकों ने उल्हासनगर से झूलेलाल का आर्शिवाद अब शिर्डी के सिंधी समाज को भी दिया है।

गुरु पूर्णिमा पर गायत्री परिवार का भव्य आयोजन

भिवंडी. गायत्री परिवार ट्रस्ट भिवंडी की ओर से गुरु पूर्णिमा पर्व के पावन अवसर पर गायत्री प्रज्ञापीठ हॉल, कामतघर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, युग संगीत, प्रवचन के उपरांत महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया गया. बाल संस्कार शाला के बच्चों ने प्रज्ञा गीत प्रस्तुत किया. गुरु पादुका पूजन के बाद भुसावल जोन सह समन्वयक इंजी, संतशरण गुप्ता जी ने बताया कि,गुरु- शिष्य के जीवन में ज्ञान की मशाल जलाता है.

गुरु शब्द दो भागों से मिलकर बना है- 'गु' (अंधकार) और 'रु' (प्रकाश)। गुरु अज्ञान के अंधेरे में ज्ञान की रोशनी लाकर शिष्य का जीवन बदल देता है.संगीतमय, प्रवचनों से सभी गुरु भक्तों को भावविभोर कर दिया.

उन्होंने कहा कि, गुरुदेव के प्रति अपने समर्पण को और प्रगाढ़ करने का उत्तम पर्व यह गुरु पर्व है. संत शरण जी की उपस्थिति में सभी परिजनों के लिए गायत्री दीक्षा संस्कार,विद्यारंभ संस्कार संपन्न हुए. उक्त अवसर पर अनुसुया बेन खेतिया, दयाशंकर गुप्ता, उपेंद्र जोशी, दिनकर सिंह, सुनिता नायक, ममता गुप्ता,जे एस पाण्डेय, पी डी यादव, बेचन प्रजापति, ओंकार यादव, दिनेश अंचन, माताप्रसाद मौर्या साहित भारी संख्या मे गणमान्य उपस्थित थे.

आम सूचना

मैं श्रीमती विमला देवी मदलाल सिकलीगर सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, पोर्शन रुम, बैरक नं. 119 के सामने, हनुमान नगर, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 05एओ014338600(पार्ट) मदनलाल बैजनाथ सिकलीगर का 27.5.2006 को निधन हो गया। उपरोक्त प्रापर्टी मदनलाल बैजनाथ सिकलीगर और श्रीमती विमलादेवी मदनलाल सिकलीगर इन दोनों ने जाईंट में विश्वनाथ एन. दरोगा (दगोरगीया) से रजि. डिड आफ कन्व्हेयन्स, रजि. नं. 2314. दि. 21.5.1996 अन्वये खरेदी किया है। श्रीमती अतीमा मदनलाल सिकलीगर ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 22.7.2024 सी.नं. 191/2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती विमला देवी मदलाल सिकलीगर

अस्पताल से डिस्चार्ज हुईं जान्हवी कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर फूड पॉइजनिंग के चलते 18 जुलाई को मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती हो गई थीं। इलाज के बाद 20 जुलाई को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। अस्पताल से छुट्टी मिलने पर पिता बोनी कपूर ने जान्हवी का हेल्थ अपडेट दिया। बोनी कपूर ने कहा- शनिवार सुबह जान्हवी को डिस्चार्ज कर दिया है। अब वो पहले से बेहतर हैं। रिपोर्ट्स के मुताबित, बहुन खुशी कपूर और बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया उनकी देखभाल कर रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, जान्हवी की तबीयत कुछ दिनों से ठीक नहीं चल रही थी जिसके बाद उन्हें गुरुवार (18 जुलाई) को अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। इस बात की भी जानकारी बोनी कपूर ने ही दी थी।

अनंत अंबानी-राधिका की शादी में पहुंची थीं जान्हवी

जान्हवी के लिए पिछले कुछ हफ्ते काफी हैक्टिक साबित हुए थे। उन्होंने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की मुंबई में हुई शादी के सारे फंक्शन अटेंड किए थे। इन फंक्शन में जान्हवी के लुक्स की काफी तारीफ हुई थी।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099